



भारत का राजापत्र The Gazette of India

भारतादित्य
EXTRAPAGE NO. 127

भाग II—खण्ड ३—उप-खण्ड (१)
PART II—Section 3—Sub-section (1)
प्रतीथकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

दं० 411] नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 21, 1990/भाद्र 30, 1912
No. 411] NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 21, 1990/BHADRA 30, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

भविष्यूतना

नई दिल्ली, 21 सितम्बर, 1990

म. 245-सीमाशुल्क/90

सा.का.पि. 802(म) :- केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क भविष्यतना, 1962 (1962 का 52) का घारा 25
की उपकारा (1) द्वारा प्रबल विविधों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित
में ऐसा करने आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग की भविष्यूतना स. 196/87-सीमा-
शुल्क, तारीख 5 मई, 1987 का निम्नलिखित घोरसंशोधन करती है, इर्थतः—

उक्त अधिसूचना में,—

(1) (परं) (viii) में 'मायानकर्ता' शब्द के बारे पर "जो वहाँ (xiii(a)) में वर्णित उत्पन्न के विवाद, मायानकर्ता" गवर्नर कोडले प्रारंभ अथवा रखे जाएँगे;

(2) शर्त (x) में निम्नलिखित परस्तुक जोड़ा जाएगा, अर्थात्:—

"परस्तु, यह कि विनिर्माण प्रक्रिया के बोरान उत्पन्न स्वर्ण के लैप्पे, धूल भोरपाइन आयात कर्ता द्वारा सर्कारी टेक्साल की मानक स्वर्ण शलाकाओं में संपर्चित हिस्से जाने के लिये जो सकं और इस संबंध में नामांशुलक कलफ्टर द्वारा विनिर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार उक्त जोन के लौटाए जा सकेंगे;"।

(3) शर्त (xiii) के पश्चात् निम्नलिखित शर्त आवश्यकित को जापणा, अर्थात्:—

"(13क) उक्त जोन में विनिर्मान इत्व ग्रीष्म आमूर्णा का, प्रायात और निर्मान नियम (आप्रैल 1990-मार्च, 1993) के दिन 10 के आमूर्णर दिनों और मुद्राई स्थित प्रस्तराल्ड्रीय विमान पत्तन में प्रस्थान लाउज में स्थापित कुट्ठर विकानद्र वा जो लून का रांझ यादों सामाननियम, 1978 में परिभावित ऐसे पर्यटक, को, जो भारत लोड़ा है, साराणुक कन्फर द्वारा विनिर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार विकल्प के लिये प्रदान किया जा सकेगा"।

[स. 245-सीमांशुलक/90-फा. सं. 305/38/90-एफटीटी]

जीवनोकार, मंत्री सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 21st September, 1990

NO. 245—CUSTOMS|90

G.S.R. 802(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby make the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Revenue No. 196/87-Customs dated the 5th May, 1987, namely :—

In the said notification,—

(a) in condition (viii), for the words "the importer", the words, bracket and letters "save as otherwise provided in condition (xiia), the importer" shall be substituted;

(b) to condition (x), the following proviso shall be added, namely :—

“Provided that scrap, dust or sweepings of gold arising in the manufacturing process may be forwarded to the Government Mint by the importer for conversion into standard gold bars and return to the said Zone in accordance with the procedure specified by the Collector of Customs in this regard;”;

(c) after condition (xiii), the following condition shall be inserted, namely :—

“(xiiiia) gem and jewellery manufactured in the said zone may be supplied to the retail outlets or show rooms set up in the departure lounge at international airports at Delhi and Bombay in accordance with para 16 of the Import and Export Policy (April, 1990—March, 1993), for sale to a tourist as defined in the Tourists Baggage Rule, 1978, leaving India, in accordance with the procedure specified by the Collector of Customs;”.

[No. 245—Customs|90—F. No. 305|38|90-FTT.]

L. JAYASEKAR, Under Secy.

